

प्रेषक,

आर. के. सुधांशु,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्राचार्य,  
जी. बी. पन्त इंजीनियरिंग कॉलेज,  
घुड़दौड़ी (पौड़ी गढवाल)।

तकनीकी शिक्षा अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 24 जुलाई, 2015

विषय: वित्तीय वर्ष 2015-16 में 'इन्जीनियरिंग कॉलेज, घुड़दौड़ी (पौड़ी)' के वेतन भत्तों आदि के भुगतान हेतु आय-व्ययक में प्राविधानित धनराशि को अवमुक्त करने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 400/XXVII-I/2015 दिनांक 01.4.2015, शासनादेश संख्या 283/XLI-1/2015-39/2015 दिनांक 18.4.2015, शासनादेश संख्या 564/XLI-1/2015-39/2015 दिनांक 05.6.2015 एवं आपके पत्र संख्या 497/लेखा/वेतन बजट प्रस्ताव/2015-16 दिनांक 30.6.2015 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय उक्त योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक में 'आयोजनागत' एवं 'आयोजनेत्तर' पक्ष में व्यवस्थित धनराशि में से शेष धनराशि क्रमशः ₹ 130लाख एवं ₹ 125लाख, कुल ₹ 255लाख (₹ दो करोड़ पचपन लाख मात्र) को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन नियमानुसार व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं : -

1. उक्त धनराशि का व्यय करते हुए उक्त संदर्भित शासनादेश दिनांक 01.4.2015 का एवं विशेषकर प्रस्तर-3 व 4 में वित्त विभाग द्वारा दिए गये निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
2. स्वीकृत की जा रही धनराशि प्रथमतः आहरित करके कॉलेज के पी.एल.ए. में रखी जाएगी तथा आवश्यकतानुसार प्रतिमाह आहरित की जाएगी।
3. उक्त धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, कि जिसे व्यय करने से पूर्व बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका अथवा मूल आदेशों के अधीन सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक हो। ऐसे में सक्षम अधिकारी की स्वीकृति व्यय के पूर्व प्राप्त कर ली जायेगी तथा धनराशि माहवार आवश्यकतानुसार ही आहरित की जायेगी।
4. स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय आवंटित सीमा तक उसी अधिष्ठान/परिसर के लिए किया जायेगा, जिसके लिए यह स्वीकृति दी जा रही है।
5. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण आवश्यक मदों हेतु ही किया जायेगा तथा व्यय में मितव्ययिता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये समस्त शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा।
6. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2016 तक उपयोग करके उपयोगिता प्रमाणपत्र तथा बी.एम.-08 पर व्यय विवरण शासन को प्रस्तुत कर दिया जाएगा।
7. मितव्ययिता के फलस्वरूप अवशेष धनराशि को वित्तीय वर्ष के अन्त में नियमानुसार शासन/वित्त विभाग को समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
8. उक्त अनुदान का देयक कॉलेज के प्राचार्य/लेखाधिकारी के द्वारा हस्ताक्षरित तथा जिलाधिकारी, पौड़ी गढवाल द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किया जाएगा।

क्रमशः...



2- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में आय-व्ययक के 'अनुदान संख्या 11' के 'आयोजनागत/आयोजनेत्तर' पक्ष में लेखाशीर्षक "2203-तकनीकी शिक्षा-00-112-इंजीनियरिंग/तकनीकी कॉलेज तथा संस्थान-00-05-इंजीनियरिंग कॉलेज, घुड़दौड़ी (पौड़ी)" के मानक मद "43-वेतन भत्ते आदि के लिए सहायक अनुदान" के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश शासनादेश संख्या 183/XXVII-I/2012 दिनांक 28.3.2012 द्वारा विहित व्यवस्था के क्रम में [www.cts.uk.gov.in](http://www.cts.uk.gov.in) से सॉफ्टवेयर के माध्यम से उपरोक्त स्वीकृति/बजट आवंटन हेतु निर्गत विशिष्ट नम्बर/अलॉटमेंट आई.डी. H1507110955 तथा H1507110956 के अन्तर्गत तथा वित्त विभाग के उक्त संदर्भित शासनादेश दिनांक 01.4.2015 के द्वारा प्राप्त निर्देशों के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

( आर. के. सुधांशु )  
सचिव।

संख्या : 762 (1)/XLI(1)/2015 तददिनांक।

प्रतिलिपि : निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
2. महालेखाकार, ऑडिट, उत्तराखण्ड, इन्दिरा नगर, देहरादून।
3. जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल।
4. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल।
6. वित्त अधिकारी, जी. बी. पन्त इंजीनियरिंग कॉलेज, घुड़दौड़ी (पौड़ी गढ़वाल)।
7. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
8. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
9. राष्ट्रीय सूचना प्रकोष्ठ, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

( एस. एस. टोलिया )  
उप सचिव।